मेधावी छात्र प्रोत्साहन परियोजना कार्यक्रम

स्वार्थ वृति को त्यागें : आचार्य महाश्रमण

महासभा की इस परियोजना में अब तक 1 करोड़ 20 लाख की छात्रवृत्ति दी गई

सरदारशहर 21 अगस्त, 2010

आचार्य महाश्रमण ने जैन श्वेताज़्बर तेरापंथी महासभा की मेधावी छात्र प्रोत्साहन परियोजना के कार्यक्रम में देशभर से पहुंचे मेधावी छात्र-छात्राओं को अपनी मेधा को बढाने के साथ साथ स्वार्थ वृति त्यागकर पर कल्याण के भाव को जागृत करने की प्रेरणा दी। उनकी यह प्रेरणा देश की कर्णधार भावी पीढी के निर्माण में तो अपना योगदान देगी ही उसके साथ ही देश की राजनीति में बढ़ती स्वार्थवृत्ति पर भी अंकुश लगाने में योगभूत बनेगी। उन्होंने कहा कि स्वीकृति के कारण से अनेक समस्या पैदा हो रही है। जब बचपन से ही स्व कल्याण के साथ परकल्याण की चेतना जागृत की जायेगी। तभी व्यक्ति समाज और देश का भविष्य उज्जवल होगा।

उन्होंने मेधावी शब्द की व्याज़्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि ज्ञान को धारण करने वाली बुद्धि को, उस शक्ति को मेधा कहते हैं। जिसकी बुद्धि टिकाऊ है, तिक्ष्ण है वह मेधावी होता है। बुद्धि एक शक्ति है, इस शक्ति के साथ अनुकंपा की चेतना जागृत हो जाती है तो वह स्व